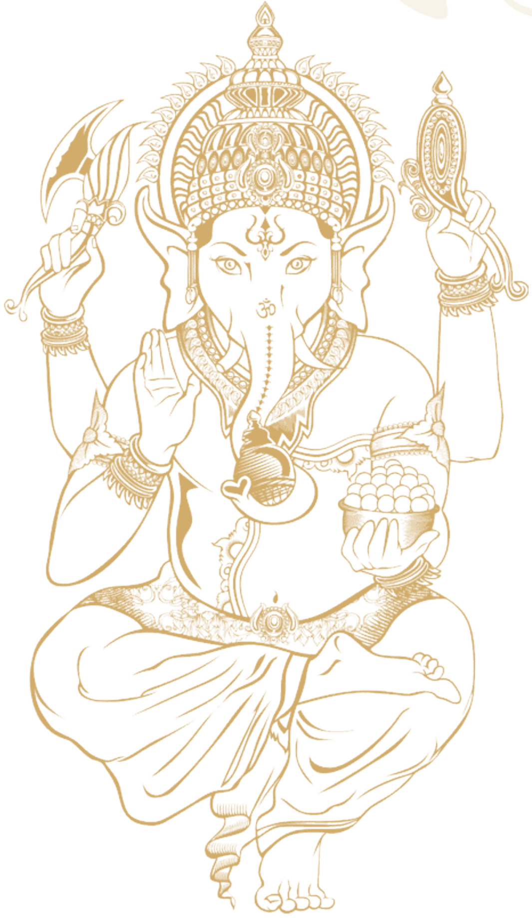

Naitik

14 Sep 2008

12:30 PM

Kandhla

Model: web-freekundliweb

Order No: 121157902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/09/2008**
दिन	रविवार
जन्म समय	**12:30:00 घंटे**
इष्ट	16:01:59 घटी
स्थान	**Kandhla**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:19:00 उत्तर
रेखांश	77:17:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:09:08 घंटे
वेलान्तर	00:04:29 घंटे
साम्पातिक काल	11:43:39 घंटे
सूर्योदय	06:05:12 घंटे
सूर्यास्त	18:26:58 घंटे
दिनमान	12:21:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	27:51:14 सिंह
लग्न के अंश	19:52:24 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	धृति
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीताराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चिक	19:52:24	312:35:34	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	27:51:14	00:58:26	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
चंद्र			कुंभ	14:12:42	13:16:48	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
मंगल			कन्या	22:45:10	00:39:28	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
बुध			कन्या	24:20:31	00:48:24	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	स्वराशि
गुरु			धनु	18:36:40	00:01:10	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			कन्या	24:00:07	01:13:24	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	नीच राशि
शनि		अ	सिंह	19:13:13	00:07:30	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मक	24:19:04	00:02:15	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	24:19:04	00:02:15	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	26:38:40	00:02:24	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
नेप	व		मक	28:05:55	00:01:22	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
प्लूटो			धनु	04:31:15	00:00:10	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	01:34:01	--	उ०फाल्गुनी	--	12	बुध	सूर्य	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:55

लग्न-चलित

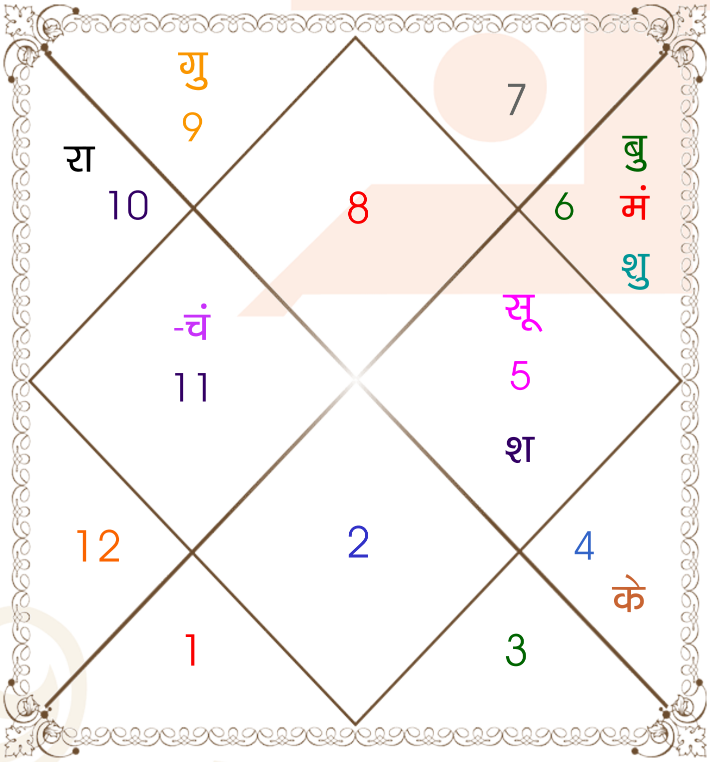

चन्द्र कुंडली

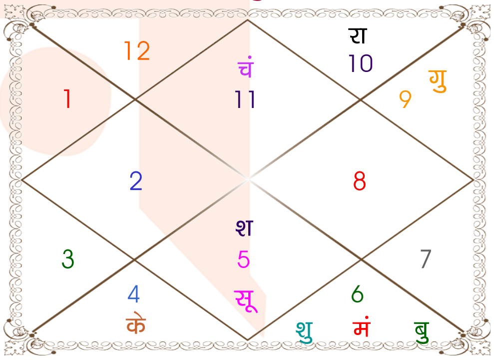

नवमांश कुंडली

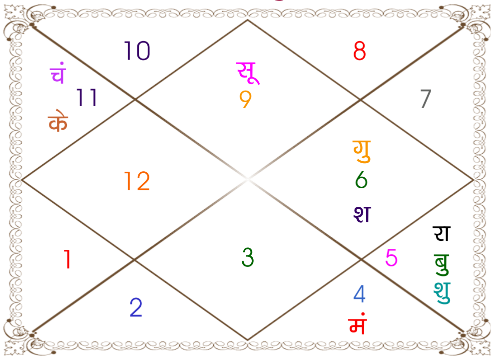

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 7 वर्ष 9 मास 23 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/09/2008		08/07/2016		08/07/2032		09/07/2051		08/07/2068	
08/07/2016		08/07/2032		09/07/2051		08/07/2068		09/07/2075	
	00/00/0000	गुरु	26/08/2018	शनि	12/07/2035	बुध	05/12/2053	केतु	04/12/2068
	00/00/0000	शनि	09/03/2021	बुध	21/03/2038	केतु	02/12/2054	शुक्र	03/02/2070
	14/09/2008	बुध	15/06/2023	केतु	30/04/2039	शुक्र	02/10/2057	सूर्य	11/06/2070
बुध	07/01/2009	केतु	20/05/2024	शुक्र	30/06/2042	सूर्य	08/08/2058	चंद्र	10/01/2071
केतु	25/01/2010	शुक्र	19/01/2027	सूर्य	11/06/2043	चंद्र	08/01/2060	मंगल	08/06/2071
शुक्र	25/01/2013	सूर्य	08/11/2027	चंद्र	10/01/2045	मंगल	04/01/2061	राहु	26/06/2072
सूर्य	20/12/2013	चंद्र	09/03/2029	मंगल	19/02/2046	राहु	24/07/2063	गुरु	02/06/2073
चंद्र	21/06/2015	मंगल	13/02/2030	राहु	26/12/2048	गुरु	29/10/2065	शनि	12/07/2074
मंगल	08/07/2016	राहु	08/07/2032	गुरु	09/07/2051	शनि	08/07/2068	बुध	09/07/2075

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/07/2075		09/07/2095		09/07/2101		10/07/2111		10/07/2118	
09/07/2095		09/07/2101		10/07/2111		10/07/2118		00/00/0000	
शुक्र	07/11/2078	सूर्य	26/10/2095	चंद्र	10/05/2102	मंगल	06/12/2111	राहु	22/03/2121
सूर्य	08/11/2079	चंद्र	26/04/2096	मंगल	09/12/2102	राहु	24/12/2112	गुरु	15/08/2123
चंद्र	08/07/2081	मंगल	01/09/2096	राहु	09/06/2104	गुरु	29/11/2113	शनि	21/06/2126
मंगल	08/09/2082	राहु	27/07/2097	गुरु	09/10/2105	शनि	08/01/2115	बुध	15/09/2128
राहु	07/09/2085	गुरु	15/05/2098	शनि	10/05/2107	बुध	05/01/2116		00/00/0000
गुरु	08/05/2088	शनि	27/04/2099	बुध	08/10/2108	केतु	03/06/2116		00/00/0000
शनि	09/07/2091	बुध	03/03/2100	केतु	10/05/2109	शुक्र	03/08/2117		00/00/0000
बुध	09/05/2094	केतु	09/07/2100	शुक्र	08/01/2111	सूर्य	09/12/2117		00/00/0000
केतु	09/07/2095	शुक्र	09/07/2101	सूर्य	10/07/2111	चंद्र	10/07/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 7 वर्ष 9 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।